Popular Front of India

G-78, 2nd Floor, Shaheen Bagh, Kalindi Kunj, Noida Road, New Delhi- 110025

PopularFrontofIndiaOfficial/ www.popularfrontindia.org

popularfrontmail@gmail.com 011- 29949902

प्रेस रिलीज़

11 मई 2019
नई दिल्ली

उइगर मुसलमानों के मामले पर चुप्पी तोड़ोः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के चेयरमैन ई. अबूबकर ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं, मानवाधिकार संगठनों और पूरी दुनिया के मुस्लिम समुदाय से चीन के अंदर तुरकिस्तानी मुसलमानों व अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ चीन सरकार के खुले अन्याय तथा मानव अधिकारों के हनन पर अपनी चुप्पी तोड़ने की अपील की है।

चीन से यह हैरान करने वाली रिपोर्टें मिली हैं कि पूर्वी तुरकिस्तान से चीन सरकार द्वारा सोचे समझे तरीके से मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदायों विशेषकर उइगर मुसलमानों का नस्ली सफाया करने की कोशिश की जा रही है। लोगों को ऐसा जीवन व्यतीत करने पर मजबूर किया जा रहा है जिसमें उन्हें किसी प्रकार की स्वतंत्रता नहीं है। अगर वे सलाम, शराब से दूरी यहां तक कि मातृ भाषा में बात करने आदि जैसा कोई भी अमल करते पाए जाते हैं जिसका धर्म से बहुत दूर का संबंध हो, तो उन्हें हिरासती कैम्पों में भेज दिया जाता है। बताया जाता है कि लगभग 20 लाख लोग ऐसे कैम्पों में क़ैद हैं जो नाज़ी दौर के हिरासती कैम्पों की याद ताज़ा कराते हैं। इन कैम्पों में जिन्हें चीन सरकार 'पेशावराना ट्रेनिंग सेंटर' का नाम देती है, पूछ–ताछ के दौरान क़ैदियों को बहुत ज़्यादा अमानवीय अत्याचार का सामना करना पड़ता है। क़ैदियों के बारे में किसी तरह की जानकारी मीडिया, यहां तक कि उनके परिवारजनों को भी नहीं दी जाती और मौत के बाद उनकी लाशें भी उनके घर नहीं भेजी जातीं।

चीन के दबाव में आकर अंतरराष्ट्रीय नेता जिनमें पड़ोसी मुस्लिम देशों के नेता भी शामिल हैं सब इस मामले पर अपना मुंह बंद किये हुए हैं। जब उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न की बात आती है, तो अमरीका और उसके साथी पश्चिमी देश, चीन के खिलाफ किसी भी प्रकार की पाबंदी लगाने से घबराते हैं। यहां तक कि पाकिस्तान भी जो अन्य देशों में मुसलमानों की समस्याओं पर हमेशा खुलकर बात करता है, वह भी अपने स्ट्रेटजिक साथी चीन को खुश करने के लिए इस मामले पर आपराधिक खामोशी अपनाए हुए है। पॉपुलर फ्रंट के चेयरमैन ने पूरी दुनिया के लोगों से जो मानवाधिकार और आज़ादी के अधिकार का सम्मान करते हैं, उनसे चीन में अल्पसंख्यकों के साथ चीन सरकार के अमानवीय व्यवहार की निंदा करने और अपनी सरकारों से इस शर्मनाक अत्याचार को ख़त्म करने के लिए चीन पर दबाव बनाने की मांग करने की अपील की। साथ ही उन्होंने चीन सरकार को बेनकाब करने के मामले को लेकर भारत के नागरिक स्वतंत्रता आंदोलनों और बाएं बाजू की राजनीति की खामोशी पर भी सवाल उठाया।

डॉ० मुहम्मद शमून
डायरेक्टर, जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली